Page Three Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

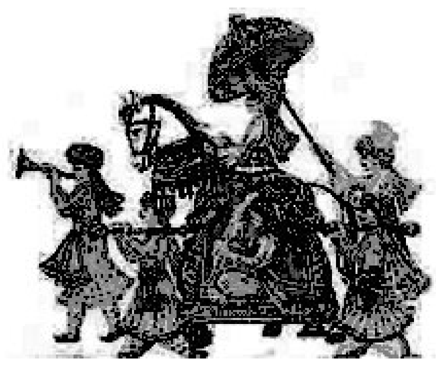

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

चांगथांग हिमखंड का भारी हिस्सा गंगोत्री हाईवे तक पहुंचा

हाईवे को सुचारु करने में बीआरओ की टीम जुटी

मार्ग अवरुद्ध

संवाददाता

उत्तरकाशी। बीते दिनों ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हुई बर्फबारी के कारण फिर से चांगथांग हिमखंड सक्रिय हो गया है। हिमखंड का भारी हिस्सा बीते मंगलवार की शाम को गंगोत्री हाईवे तक पहुंचा। फिर बुधवार को भी भारी मात्रा में हिमखंड टूटा। जिससे हाईवे बंद हो गया है। हाईवे को सुचारु करने में बीआरओ की टीम जुटी हुई है। शुक्रवार की सुबह तक हाईवे के सुचारु होने की उम्मीद है।

हर्षिल के प्रधान दिनेश रावत ने कहा कि पांच दिन पहले हर्षिल, मुखवा, झाला, पुराली, सुक्की क्षेत्र में बर्फबारी हुई। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी भारी बर्फबारी हुई। बीते मंगलवार की शाम को हिमखंड टूटा। जिससे गंगोत्री हाईवे बंद हुआ। फिर बुधवार को चटक धूप खिली तो हिमखंड और सक्रिय हुआ। बुधवार को चांगथांग के पास करीब 20 मिनट तक हिमखंड टूटकर गिरता रहा। जिससे हाईवे बंद हुआ।

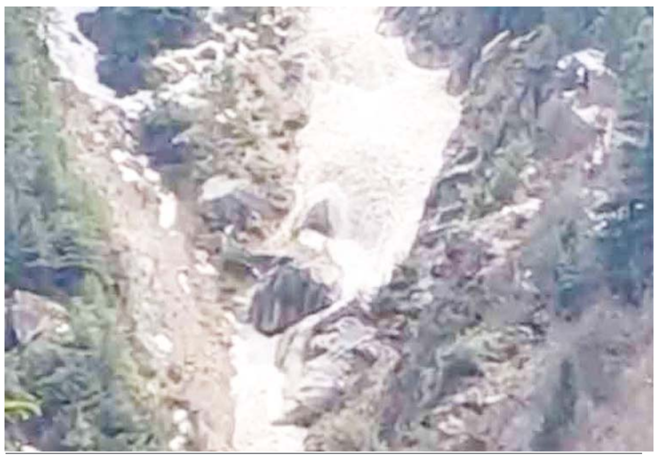

इससे गंगोत्री गए वन विभाग और मंदिर समिति के कर्मचारियों को भी फंसना पड़ा। अपने वाहनों को वहीं छोड़कर पैदल ही हर्षिल आना पड़ा। बीआरओ के आफिसर कमांडिंग मेजर अविनाश शर्मा ने बताया कि गंगोत्री हाईवे पर हर्षिल से छह किलोमीटर गंगोत्री की ओर चांगथांग स्थान पर भारी हिमखंड टूटने के कारण हाईवे बंद हुआ है। बीते बुधवार को हाईवे खोलने का प्रयास किया गया। लेकिन, फिर से हिमखंड टूटा है। बीआरओ की टीम हाईवे खोलने में जुटी हुई है। इसके अलावा गंगोत्री हाईवे पर गंगनानी के पास भी भूस्खलन हुआ। जिससे हटाकर हाईवे सुचारु कर दिया है।

चट्टान टूटने से गौरीकुंड हाईवे अवरुद्धः बांसवाड़ा के पास चट्टान टूटने से रुद्रप्रयाग–गौरीकुंड हाईवे पूरे दिन बंद रहा। इसके चलते केदारघाटी के लिए आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति नहीं हो सकी। वहीं एनएच लोनिवि की ओर से हाईवे खोलने का काम किया जा रहा है। हालांकि मलबा अधिक होने के चलते हाईवे खोलने में देरी हो रही है। बुधवार सुबह साढ़े छह बजे रुद्रप्रयाग से 25 किमी आगे डेंजर जोन बांसबाड़ा में भारी–भरकम चट्टान टूटने से गौरीकुंड हाईवे पर बंद हो गया। हाईवे पर कई घंटे तक चट्टान बरसते रहे, इसके चलते हाईवे पूरी तरह से मलबे से ढंक गया है। हाईवे बंद होने के चलते वाहन बांसवाड़ा में फंस गए, जिसके चलते आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति नहीं हो पाई।

सूचना मिलने पर एनएच लोनिवि की ओर से जेसीबी मशीन को मौके पर भेजा गया, लेकिन मलबा अधिक होने के कारण देर शाम तक हाईवे आवाजाही के लिए सुचारू नहीं हो सका। एनएच लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता जितेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि बांसवाड़ा में हाईवे पर मलबा आने से आवागमन बंद हो गया है। बांसवाड़ा में मलबा हटाने का कार्य जारी है। हाईवे को जल्द ही आवाजाही के लिए सुचारू किया जाएगा।

न्यूज डायरी

सम्बन्धित क्रय केन्द्रों पर अपने–अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे

संवाददाता देहरादून। जिलाधिकारी डॉ आशीष कुमार श्रीवास्तव ने अवगत कराया है कि शासन द्वारा रबी विपणन सत्र–2020–21 में विकेन्द्रीकृत प्रणाली के अन्तर्गत मूल्य समर्थन योजनान्तर्गत जनपद में गेहूँ क्रय केन्द्र संचालित करने के निर्देश दिये गये हैं। जिलाधिकारी ने उक्त कार्य हेतु नियुक्त केन्द्र प्रभारी एवं विपणन निरीक्षकों को अपने से सम्बन्धित क्रय केन्द्रों पर अपने–अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। मूल्य समर्थन योजना गेहूँ खरीद हेतु समस्त व्यवस्थाओं हेतु सुभाष चन्द्र गेहतोड़ी ए.आर को–आपरेटिव– 8630832055 को नियुक्त किया गया है।

बैकों में पसरा सन्नाटा

संवाददाता पिथौरागढ। लाकडाउन के चलते जिले के बैंको में सन्नाटा पसर गया है।बैकों का कारोगार 85 फीसद घट चुका है। बता दें कि 95प्रतिशत रकम निकासी की है। वही पांच प्रतिशत ही राशि जमा हो रही है। जानकारी के मुताबिक जो राशि जमा हो रही है वह सरकारी चालान व राशन विक्रेताओं के द्वारा जमा की जाने वाले धनराशि है। सीमांत जिले में पांच दर्जन बैंक शाखाऐ हैं जिनमें प्रतिदिन 80 करोड रूप्ये का कारोबार होता है। वही लाकडाउन के चलते बैकों के कारोबार में काफी गिरावट आ चुकी है। कोइ भी आवेदक बैकों में ऋण लेने नही आ रहे है। जिससे ऋण अनुपात बिरने की पूरी पूरी संभावना नजर आ रही है।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया कोविड–19 महामारी से लड़ने के लिए प्रतिबद्ध

संवाददाता देहरादून। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने कोविड–19 महामारी के विरुद्ध जारी लड़ाई में आईएनआर 3 करोड़ योगदान करने का फैसला किया है। इसके तहत दिल्ली एनसीआर और चेन्नई में सरकारी और गैर.सरकारी संगठनों के साथ कार्य आरंभ हो चुका है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया, बीएमडब्ल्यू ग्रुप प्लांट चेन्नई और बीएमडब्ल्यू इंडिया फाइनेंशियल सर्विसेज के कर्मचारी इस उद्देश्य में स्वैच्छिक योगदान करेंगे। रुद्रतेज सिंह, प्रेसिडेंट ऐंड चीफ एक्जीयूटिव ऑफिसर, बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने कहा, कोरोनावायरस महामारी ने पूरे विश्व के लोक स्वास्थ्य, उद्योग, अर्थतंत्र और व्यवसायों के लिए बहुत बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। मानव जीवन पर इसके प्रभाव को कम करनेए गरीब लोगों को तुरंत राहत पहुँचाने और इस संकट से लड़ने के लिए कार्यरत लोगों को मजबूत करने के लिए जिम्मेदार कारवाई और गंभीर कोशिशों की बेहद जरूरत है।

जरूरतमंद लोगों को प्रदान की राहत सामाग्री

संवाददाता देहरादून। विश्वव्यापी कोरोना वायरस कोविड 19 रूपी संकट से सुरक्षा हेतु लॉकडाऊन के चलते गरीब जरूरतमंद लोगों को समाजसेवी संस्था हाम्रो स्वाभिमान ट्रस्ट लगातार राहत सामाग्री वितरित करता आ रहा है। जानकारी देते हुए संस्था की प्रदेश अध्यक्ष कमला थापा ने बताया कि दैनिक भोजन हेतु समाज सेवी संस्था हाम्रो स्वाभिमान ट्रस्ट उत्तराखण्ड राज्य ने भी राहत सामग्री वितरित करते हुए सबकी मदद के लिए अपने हाथ आगे बढाये हुए हैं । संस्था की प्रदेश अध्यक्ष कमला थापा के नेतृत्व में पूरी टीम विगत 29 मार्च से लगातार अनवरत रूप से जरूरतमंद परिवारों को चिन्हित कर स्थानीय पुलिस प्रशासन के सहयोग से सामाजिक दूरी का पालन करते हुए सूखा राशन के पैकेट वितरित कर रही है। उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा अब तक गढी, डाकरा, नागनाथ, जैतनवाला, नया गाँव, मियाँवाला, बंजारावाला, नैशविला रोड, ओल्ड सर्वे रोड सहित कईं क्षेत्रों के लगभग चार सौ जरूरतमंद परिवारों को राहत सामग्री उनके घरों तक पहुँचाई जा चुकी है।

प्रवासी व स्थानीय मजदूरों के लिए जिला प्रशासन ने शुरू की संगीत संध्या

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट

अनूठी पहल

पिथौरागढ। राहत केंदों में रखे गये मजदूरों को किसी तरह का तनाव न पनपे इसी के मददेनजर जिला प्रशासन व सीमांत तहसील प्रशासन के द्वारा ये अनंठी पहल की जा रही है। जिले के 15 राहत केन्दों मेंरह रहे प्रवासी व स्थानीय मजदूरों के लिए जिला प्रशासन द्वारा संगीत थेरेपी की शुरुआत हो चुकी है। बता दें कि जिले में प्रवासी नेपाली मजदूरोंके साथ ही बिहार यूपी के 1500 सें अधिक मजदूर इन राहत केंन्दों में रह रहे हैं। बता दें कि इस आयोजन को सफल बनाने के लिए इलाके के स्थानीय कलाकारों से भी मदद ली जा रही है। बता दें कि कलाकारों के साथ ही मजदूरों ने सामाजिक दूरी को ध्यान में रखकर कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। जानकारी के मुताबिक मजदूरों को खाली समय बिताने में मासिक तनाव का सामना न करना पडे इसके मददेनजर जिला प्रशासन व सीमांत तहसील प्रशासन द्वारा ये अनूठी पहल शुरू की गई है। वहीं इस संगीत थेरेपी का अच्छा खासा असर देखने को मिल रहा है।

बता दें कि राहत केंदों में रह रहे इन मजदूरों से जिला प्रशासन द्वारा लोकडाउन अवधि जारी रहने तक इस संगीत थेरेपी के साथ साथ सामाजिक दूरी के पालन को ध्यान में रखने की हिदायत दी गई है। वही राहत केंदों में संगीत संध्या के दोरान भारत और नेपाल की संस्कति की झलक को देखने को मिल रही है। बता दें कि इस दोरान नेपाल के मजदूरों ने अपने देश की सांस्कतिक विरासत के गीत प्रस्तुत किये वही भारतीय कलाकारों द्वारा अपने राज्य की लोक संस्क्रति को प्रस्तुत किया गया ।जानकारी के मुताबिक इससंगीत थेरेपी का ये लोग जमकर लुत्फ उठा रहे है। वही बता दें कि राहत केंन्द्रो में रखे इन मजदूरों को किसी तरह के तनाव का सामना न करना पडे इसके लिए जिला प्रशासन व सीमांत तहसील प्रशासन के द्वारा हर सम्भव प्रयास किये जा रहे है।

बता दें इस संगीत थेरेपी के द्वारा इन मजदूरों का तनाव दूर करने के भरसक प्रयास किये जा रहे है।

परिवहन निगम कर्मचारियों ने मांगा मार्च माह का वेतन

संवाददाता देहरादून। उत्तरांचल रोडवेज कर्मचारी यूनियन के प्रांतीय अध्यक्ष कमल पपने ने प्रदेश के मुख्य सचिव सहित अन्य अधिकारियों को पत्र लिखकर कोरोना वायरस कोविड 19 महामारी के दृष्टिगत केन्द्र व राज्य सरकार के दिशा निर्देशों के विपरीत उत्तराखंड परिवहन निगम के 6500 कर्मचारियों को मार्च माह का वेतन भुगतान किये जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड परिवहन निगम का गठन राज्य परिवहन निगम अधिनियम 1950 के अंतर्गत अक्टूबर 2003 में राज्य सरकार के उपक्रम के रूप मे किया गया है और परिवहन निगम प्रबंधन उत्तराखंड राज्य सरकार पर परिवहन निगम में सभी श्रम कानूनों को लागू करने के सामूहिक विधिक दायित्व है ओर निगम में लगभग 6500 कर्मचारी जिसमें तीन हजार नियमत तथा 3500 संविदा, विशेष श्रेणी तथा उपनल के माध्यम से कार्यरत है जो कि अनियमित है चालक, परिचालक तथा तकनीकी कर्मी शामिल है जो सभी कर्मचारी निष्ठा पूर्वक अपना कार्य कर रहे है ओर जनता कर्फ्यू के बाद अब प्रदेश को तीन मई तक लॉकडाउन कर दिया गया है।